

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

**128 साल बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी, भारत को मिल सकता है टिकट,
पाकिस्तान की राह मुश्किल**

Publisher

Published on 08 Nov 2025



क्रिकेट फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। करीब **128 साल बाद क्रिकेट** ओलंपिक खेलों में वापसी कर रहा है और अगले **लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028** में इसका रोमांच दुनिया भर के दर्शकों को देखने को मिलेगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने दुबई में 7 नवंबर को समाप्त हुई अपनी बोर्ड मीटिंग में ओलंपिक में क्रिकेट की एंट्री और क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से भारत के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह की लहर दौड़ गई है, जबकि पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए यह राह चुनौतीपूर्ण नजर आ रही है।

ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी का निर्णय ICC और इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी (IOC) के बीच सहयोग और योजना के बाद लिया गया। ICC ने बोर्ड मीटिंग में साफ किया कि लॉस एंजेलिस ओलंपिक में सीमित टीमों ही प्रतिस्पर्धा करेंगी, और क्वालिफिकेशन के लिए विश्व क्रिकेट रैंकिंग और वैश्विक टूर्नामेंट के प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। इसके तहत टीमों को ओलंपिक में खेलने के लिए ICC द्वारा निर्धारित कई शर्तों को पूरा करना होगा।

बोर्ड मीटिंग के अनुसार, **टीम इंडिया** के लिए ओलंपिक में भाग लेना लगभग तय माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट टीम की हालिया प्रदर्शन रिकॉर्ड और ICC रैंकिंग को देखते हुए यह संभावना काफी मजबूत दिखाई दे रही है। वहीं, **पाकिस्तान क्रिकेट टीम** के लिए ओलंपिक में जगह बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। क्वालिफिकेशन में उनकी हालिया प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव और टीम रैंकिंग उन्हें बाधित कर सकते हैं।

ICC ने इस मीटिंग में बताया कि ओलंपिक क्रिकेट टूर्नामेंट **टी20 फॉर्मेट** में खेला जाएगा। इसका उद्देश्य है कि मैच तेज, रोमांचक और दर्शकों के लिए एंटरटेनिंग हों। ICC ने यह भी बताया कि प्रत्येक टीम के पास सिर्फ एक सीमित संख्या में खिलाड़ी होंगे, जिससे मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक बनेंगे।

क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के अनुसार, टीमों को सबसे पहले अपने महाद्वीपीय टूर्नामेंट में प्रदर्शन करना होगा। एशिया कप, अफ्रीका कप, यूरोप कप और अमेरिका में आयोजित होने वाले क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में शीर्ष टीमों को ओलंपिक का टिकट मिलेगा। इसके अलावा, ICC ने वैश्विक रैंकिंग और ICC प्रमुख टूर्नामेंटों में प्रदर्शन को भी क्वालिफिकेशन का हिस्सा बनाया है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि केवल मजबूत और प्रतिस्पर्धात्मक टीमों ही ओलंपिक में उतरें।

भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए यह खबर बेहद उत्साहजनक है। टीम इंडिया का ओलंपिक में हिस्सा लेना भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ सकता है। 1980 के मॉस्को ओलंपिक के बाद क्रिकेट का ओलंपिक में न होना लंबे समय तक फैंस के लिए अफसोस का कारण रहा। लेकिन 2028 में यह लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी होने जा रही है।

पाकिस्तान के लिए यह चुनौती इसलिए बड़ी है क्योंकि उन्हें क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम और रणनीति के साथ उतरना होगा। हाल के वर्षों में उनकी टीम का प्रदर्शन कभी-कभी अस्थिर रहा है, और ICC के नए नियमों के तहत उन्हें ओलंपिक में प्रवेश के लिए अधिक मेहनत करनी होगी।

इस ऐतिहासिक निर्णय से न केवल खिलाड़ियों को नई प्रेरणा मिली है, बल्कि दर्शकों और क्रिकेट फैंस के बीच भी उत्साह बढ़ गया है। विश्व के अन्य प्रमुख क्रिकेट टीमों जैसे ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज़ को भी इस टूर्नामेंट में भाग लेने का मौका मिलेगा। इससे ओलंपिक में क्रिकेट प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक बनने की संभावना है।

लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की वापसी का यह कदम वैश्विक क्रिकेट को नई दिशा देने वाला साबित होगा। ICC और IOC की यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी लोकप्रियता और महत्व को और बढ़ाया जा सके।

अंततः, 128 साल बाद क्रिकेट का ओलंपिक में लौटना न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि फैंस के लिए भी उत्साह और उम्मीदों से भरा मौका है। टीम इंडिया के लिए यह नए इतिहास की शुरुआत होगी, जबकि पाकिस्तान को अपनी रणनीति और तैयारी पर विशेष ध्यान देना होगा ताकि वे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शामिल हो सकें।